मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MSKE–009

स्नातकोत्तर कला उपाधि (संस्कृत)

(एम. एस. के.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

एम.एस.के.ई.-009 : वेद : वैदिक संहिताएँ और वैदिक व्याकरण

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र कुल दो खण्डों में विभाजित है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही उत्तर दीजिए। सभी उत्तरों का माध्यम हिन्दी* ***अथवा*** *अंग्रेजी* ***अथवा*** *संस्कृत एक ही भाषा हो।*

खण्ड—क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$3 \times 20 = 60$

1. वेदापौरुषेयवाद का विस्तार से विवेचन कीजिए।

2. वैदिक संस्कृति में निहित सामाजिक एवं राजनीतिक सन्दर्भों का प्रतिपादन कीजिए।

3. वेदों के दार्शनिक चिन्तन का निरूपण कीजिए।

4. भेद सहित वैदिक स्वरों का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

5. वेद के किन्हीं **दो** पाश्चात्य व्याख्याकारों का परिचय एवं वैशिष्ट्य प्रस्तुत कीजिए।

6. पठित अंश के आधार पर निरुक्त का परिचय देते हुए प्रसिद्ध सिद्धान्तों का उल्लेख कीजिए।

खण्ड—ख

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$4 \times 10 = 40$

7. ऋग्वेद के प्रमुख सूक्त एवं देवताओं के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

8. शाखाओं सहित सामवेद का परिचय प्रस्तुत कीजिए।

9. आचार्य सायण के भाष्य का वैशिष्ट्य लिखिए।

10. वेदों के काव्यात्मक सौंदर्य का विवेचन कीजिए।

11. वेदों में निहित विज्ञान के तत्वों का प्रतिपादन कीजिए।

12. वाक् सूक्त के प्रतिपाद्य विषय का निरूपण कीजिए।

13. ऋक् प्रातिशाख्य का परिचय दीजिए।

14. पठित अंश के आधार पर संहितापाठ, विकृतिपाठ, पदपाठ एवं क्रमपाठ का विवेचन कीजिए।

× × × × ×